ायःस्टू^भाद्रसायाज्ञा युन्यन्त्रित्ता विद्यार्था । त्यास्त्राण्णेक् नार्धुन्यस्य निष्याः विद्यार्थाः विद्यायः विद्यार्थाः विद्यार्थाः विद्यार्थाः विद्यार्थाः विद्यार्थाः व नुर्न नर् झुंबर ॥ वैस्र्ये। ब्रें ब्रैं र पश्रेन परे पे पे पिया या गूट प्येना स्वतः त्रिंच न्त्र्यः स्वतः त्रिंच न्त्र्यः स्वतः स्वतः स्वतः त्रिंच स्वतः त्रिंच स्वतः त्रिंच स्वतः त्रिंच स्व स्वतः त्रिंच न्त्रः स्वतः न्त्रः स्वतः स्व भाष्ट्रस्ति स्वर्धात्र स्वर्धात्य स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्यत्य स्वर्य मुद्धम् क्ष्याचेर्रः ना वर्षः प्रते त्रिंरः प्राक्षम् । चुर्नः स्रोत् । चुर्नः स्रोतः ने स्रोतः ने प्रते । चुर यद्या प्रदेश क्ष्या क्ष्या क्ष्या । क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या । क्ष्या क्ष्या क्षया क्ष्या ३ श्रेट्या क्रुट्या क्रिया प्रति क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ३ क्षेट पार्ट्य ख्वांचा परि ह्वांचा रे ख्रूर प्रेता ३ क्षेट पार्ट्य ख्वांचा परि ह्वांचा रे ख्रूर प्रेता र्धेन चै दे न वना व नस्य दें द के अर नी 1 रर

म्भारम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्र मंशुद्यार्थे। मार्थका मार्थका स्वास्त्र मॅ्मिश मुं के व्याप्त मान्य मान्य मान्य प्राप्त के प्राप्त के विषय मान्य के प्राप्त के प १ म्या र्चमा छेर्या प्रति सर्वत दे र्चमा सर क्ष्मा प्राया र्चमा स्थाप र्चमा स्थाप र्चमा स्थाप र्चमा स्थाप र्चमा स्थाप रच्चमा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स य त्राम्याची प्राप्त विश्व विश्व प्राप्त विश्व विश्व प्राप्त विश्व विश्व

२१८ मुर्बे रेग र्सेर मुर्रे पर्देश पता ाय सर्मी देश पेती

त्रवा क्रिर्त्यं श्रेश्चर्व्यं स्वार्ट्य स्वार्ट्य स्वार्य्य स्वार्य स्वार्य

यत् मुन्यमा हेस्यविक्तं न्यं केट्र न्यं केट्र में स्याप्त प्रम्य विकास निष्य प्रमा निषय प्रमाण प्रमाण स्था स्थ क्रमा हेशा है। निर्मान्यस्य ने निर्मान्यस्य ने निर्मान्यस्य निर्मान्य

त्रा ब्रह्म न्या नार्थर प्रमुख्य नार्डित नार्डित प्रमुख्य नार्डित नार्डि

पं भून वट निर्मु र दुः प्रशाममा न दुः महिमा पा

१ श्रेशयात्यात् अर्द्धयात् विद्यात् अर्थ्यात् विद्यात् विद्यात्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्या

येत् तेत्र्म्यार्श्यम् सुर्यापाद्वर्षः स्वार्यते त्रुष्यायेत्रः त्रुष्यायेत्रः स्वार्याः स्वर्याः स्वर्यः स्व ब्रैं र प्रायम में के में प्रायम के किया प्रायम के प्रायम के किया में किया में किया प्रायम के किया में किया मे र्राश्चेयं दुः चर्ने दः चर्ते।

्रे चेह्रमाँ दुर्यामाशुभार्पे दायहमा प्रचयमामाशुभा चह्रमा र्सुमायामाशुभा चर्या से सिमादा दमा

धेना

प्रवास्त्रमा मान्त्रम् स्वस्त्रम् स्वस्त्रम्यस्त्रम् स्वस्त्रम् स्वस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् स्वस्त्रम् स्वस्त्

देन्द्रमिन्द्रम् । १ र्वेद्रम् अभ्यत्रेत्र्यस्य स्वाध्यस्य केत्रम् स्वाध्यस्य केत्रम् स्वाध्यस्य स

र्हेन् मु:दे: नः विनायमाः यात्र प्रदेत् के अटः नी: 1 दटः 2 सेन् सम्माटः सुटः से प्रसुटः त्रे स्वायः स्वायः विना १ विनायः सुटः से प्रसुटः स्वायः देशः स्वायः स्व

위5'역학생도'班도에 gbj64728963阅读 52赞 举报

५ अर्थू वट् नमु ८ र्ड ययाम्या ५ मु भा ने देंदू मी दे या ~ रैत केत गूर क्वें र सूर्य र गु तु र र पा न से द र द या के स्र र येता

१५ मिना नरु निले सिरे देश भ्रम दि दे नामना नर्ड श्रामा १ में दे जो श्रम सम्पर्क ने दे रहेश स्वीत स्वीत स्वीत स्वामम स्वामम

तारा धाराताहरानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान स्थानाहरान् स्थानाहरान स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान् स्थानाहरान स्थान स्थानाहरान स्थान स्थान

यूर्व में याम्या हैता है कि देश में शुंभा है। सिं स् से से नुट क्या से समास्या सिंधी रूट तहूरातास्त्रेया

प क्षे चित्रम्वर्गम् वर्षां सुनायाम्यया स्तर द्रो देशा

दे दे दे प्रमा के का स्वाप्त के २ (२० २ मीर्जिय वर्ट्स प्रिक्ट प्रि

१८ पिना पर्ने प्रश्नित प्रति हैं श्रायम प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति । प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति प्रति प्रति प **अर्ह्य आयम् अः अः अं अं** यम् अन्यान्त्र अन्यान्त्र वित्र देवायां वित्र देवायां वित्र गडिना पास्ना ने माह्रम ने माह्रम माह व मुँभमास्पिन्यर्भेत् स्त्राचा स्वास्त्र विचार क्षेत्र क्षेत्र विचार क्षेत्र क्षेत् यमा है से स्वाप्त के स्वाप्त भ्रे.लु.चंद्र.चंच्य.तीच्याच्याच्य.चंद्र.चंत्र.च्या

देर्द्रम्मे देना १ मेंद्रण क्षुत्रम्म एक मेंद्र्रेट्र केशम्परे श्रीट एक माया आपत्र शुः धेता १ प्रदेश माया केंद्र ण तद्दर्भ माट द्रमा प्यता १ क्षुट तद्दर्भ में केंद्रिक्ष के स्थाप माया स्थाप स्य

र्ह्मे मु.ट्र.च.प्तमात्यायक्षात्र्र्ट् के लटा मी. 1 रटा 2र्शेगू रागू टार्स् रे ने स्क्री र ते रे स्मृत ची दे र ने प्रमा है र ज़ी ही दे जभारी प्रमिण है श जमाश

त्यभार्षित्राच्यात्र्वेत्राम् नार्थेत्राम् स्वाधित्राध्यात्राभ्यत्राच्याः स्वाधित्राच्याः स्व

२ अविभायवे त्विगुषा ह्रग्राया रे स्रीय प्रीता

यत् मुद्दार राज्यस्य प्रमान स्वाहेत्य स्वाहेत

माश्रमा तर्रात्वयायम् स्वाप्तम् स्वाप्तम्यम् स्वाप्तम् स्वाप्तम्यस्यम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप

१ मिट स्ट्रिन त्रुन त्रुन्त त्रुन श्रुन अदे त्र त्र म्याया के प्राय त्रुन स्ट्रिन स्ट

२१३ मूर्शे देगा र्से र मु दे पार्टेश प्रमा ल्यान्यान्य स्ट्राह्म स्ट याष्ट्रपूर्णा सेन्यान स्त्राचा स्त्राच स्त्राचा स्त्राच स्त्रच स्त्र युना क्रिया स्थाप प्रमाणिया विश्व क्षेत्र स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप मेर्'यम्भिने। वेशर्से। ५ भूत्रवर्त्त्रंकुर्न् सुर्वासायमा यह्नाया रे.स्ट्रम् देरम् १ में त्रेंदे स्वेन त्र देव मुन क्षेत्र सह दूरिय से स्वाप्त क्षेत्र महिर महिर स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स व क्यारे देश केमा के भूर प्रेमा १ मेन केन मान के मान के प्राप्त धेना यून् ने प्यट क्रिंग चुट आप्या पत्र नुनार क्रिंन प्रया । व्राव्य नुनार क्रिंन प्रया चुनार क्रिंन प्रया चुनार यद्वं मंश्री अक्षेश्रेश मंत्र त्या मुंश हम अर्थे अर्थे त्या श्रुष्य में मुंश्रेष्य में में में में में में में

र्देर यहेब तह्मा मेर्ट्स स्वाप्त क्रिया स्वापत क्

य यहिना क्षेत्रं चेन् त्यस्य यन् साम् स्वासान् स्वासान स्वासान

यम्बर्धस्य सूर्वे त्युब् व्रस्य उर्द ष्ट्रिय यम मर्थिम्बर यं बर्दे म् बर्द खुम्बर व स्मुबर य

न्देशं सम्भानि सुनाश क्षेत्रं सेन्य सेन्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप न्या न्यान न्यान स्वाप्त स्वाप स्वाप्त स् सित्ता के स्ट्रांस्त स्ट्रांस्त स्ट्रांस्त स्वांस्त स्वांस स्वा मांत्रवा है हिंदा न्ते कु ख़ुत्र न्यवा ते दाणुदा त्रांदा दु हार न्यां है दे प्राप्त होता निवा

नं नंगर्थं यूरावर्डे रार्देश

धेवा मांजून ची अळ्चे स क्षेट स देव के त्या मांजून मांजून ची अळ्चे से क्षेट स के त्या अव के त्या के

मंर्धित् र्द्रा र्क्षेत्य म्यान्य स्यान्त्रम्य र्वे र्वा स्यान्य स्यान्त्रम्य स्यान्यम्य स्यान्त्रम्य स्यान्त्रम्य स्यान्यस्य स्यान्त्रम्यस्य स्यान्यस्य स्यान्त्रम्यस्य स्यान्त्रम्यस्य स्यान्त्रम्यस्य स्यान्यस्य स

र्नेर्-मुलानेर-त्मुर-पाक्षःर्वे र्वे र्-नानन्त नर्यन्त्र न्यार्शेट नर्यन्त्र क्षयार्थे देन्य मुन्न स्वर यह्र साम्ब्र श्रंशु खुंबु

य मुः प्रथा उत्तर्भा स्त्रिम् प्रत्य स्त्राचा स्त्रिम् प्रत्य स्त्राचा स्त्रिम् स्तिम् स्त्रिम् स्तिम् स्तिम

२१२ मुर्बे रेगा र्सेर मु रे पर रेग प्रमा

ाग श्राट मी देश येत्

ं मिट सेट क्षेत्र त्र र्देत्या न जैता होता न सेता न सेता प्रीता प्रीता क्षेत्र पाणिता स्वा मिट में स्वा सेता न से

त्यत्मिच्यस्य भूत्रस्य विद्यात्रे स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य विद्यास्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य विद्यास्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य विद्यास्य स्वर्णस्य स्

व वं निवे में के के कि

यम् मुन्यमा न्या क्ष्मानुत्रः प्राक्षमानुत्रः देश्वी। सिम्यायत् से र्ने प्रमायाः सम्यायः सिम्यायः सिम्यायः सिम् विष्याची ।

े रैन केन मार ब्रेंन भगवान न मार पेंन मी ब्रेट नु अन अ मिन र्ख्या के स्मर पेना

<u>इ.विर.ज.क.र्नीःश्र्रात्यर.यराःश्र्रीयीक्ष.वार.वाध्यर्त्रम्याराःगुन्नावाःश्र</u> मुर्'प्रश नश्चिम्। बुश श्री

प्रमुन्। जन्न न।

क्ष्रम्य प्रमुन्।

क्ष्रम्य प्रमुन्य प्रमुन्।

क्ष्रम्य प्रमुन्य प्

१२ विमान्यस्यान्त्रम् स्वाप्तिः देशायन् न्दान्तः विमायाः यस्यान्त्रस्य । १ विन्द्रम् स्वाप्तिः विमायदे यमायो विमायाः देशायम् यस्य स्वाप्तिः विमायाः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वापत स्वाप्तिः स्वापतिः स्वापतिः यस्य स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वापतिः स्वाप

डे चेंत्र इ.लूना स्वान्तायान्य लिट्नायान्य स्वान्तायान्य स्वान्त्र स्वान्त्

त्ययः हटः र्क्रूटः पुरायता स्कृता विद्या प्रत्य स्कृतः विद्या स्वायः स्वायः स्वयः स コナ、路下、ひれて、口ぐ!!

न्म्बर्यदे क्रिस्क्रिस्क्रिस्

यंत्री शर्बें स्ट्रिस्ट

रे दिर्मि है न्। १ में तुर्णे के मुर्थ धेमा र्श्वमा पुरानमें त्रापेत्र सेमा सुरा श्री व्यामा के स्वर्मा सारे पुरा स्वरास्त्र सेमा का

उ तहमाङ्ग विट.य.लथी

द्र हुट में कु के कु तुर्र द्वारा श्रीमा हे श श्री निर्देश स्वर्ध हो। इ. इर्र में कु के कु तुर्र द्वारा श्रीमा हे श श्री निर्देश सक्य हो।

र्हेन मु:दे:चाममायायहायर्द्र कें अटामी १८८

위5'역회하'에도'게도제 gbj64728963 阅读 1161 举报

११ विनायित्व स्वतः देश्यम् स्वतः स् त्राप्त क्ष्राचा कर्रा प्रस्त क्ष्राचा क्ष्राच क्ष्राचा क्ष्राच क्ष्रा यन् अर्दरान्त्रम्त्रमान्त्रमान्त्रम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त यद्भा ।

् तक्षः सःम्हार्यत्रे प्राण्याये प्रम्यं विषयः स्ट्रायम् स्ट्रायम्यम् स्ट्रायम् स्ट्रायम् स्ट्रायम् स्ट्रायम् स्ट्रायम् स्ट्रायम्य <u>्र</u> इर प्रमुण भ्रप्त र्वें क्रिंग सम्बाध पार्टा गैकि स्थित में क्रम में का सम्बाध प्राप्त करा मार्के क न्में बार्य दे क्रिं के कें के के के के

१० विमा न्या परि ने साथ स्ट्रा ने प्राप्त के ने प्राप्त के ने प्राप्त के ने प्राप्त के निवास के प्राप्त के

यम् अन्यात्रा मिर्वेरार्डेमा उन्योजने वित्यक्षिया मेर्ने प्राप्त स्वर्णे स्वरं स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वरं स्वर्णे तुंश मुः र्ह्नेट र्रो त्य्रा मुक्ष स्ति प्यूय मा न्दर त्ये तन्न नु र्थेना यभ्यात्त्र विश्व य वर्णान्त्रियायस्य मार्याद्य प्राप्त प्रमान्त्र वर्णान्त्र वर्णान्त्र प्रमान्त्र वर्णान्त्र वर्णान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्ति प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान चूर्मत्रेर्न् मुर्या लुमार्था प्रमा विश्व प्रमा स्टामी मुर्मिट स्वयं स्टामी स्वयं के रामिट स्वयं स्वय त्यत्र त्र स्थार व्याप्त मार्थेन त्र क्षा न्या है स्वाप्त क्षा स्वाप्त स्था स्वाप्त स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्वाप्त स्था स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् अ<u>ॅ</u>श्पंत कुँत दुः र्थेर 'र्थेया अंत्रेत 'र्थेद मीट 'र्येथ' चुर्थ' हे मीट 'र्दु मीयय प्रेये मीत्रयां सु प्राप्त हो प्रार ३ हृ प्रेंद्र महिष्ण प्रेंद्र में प्रेंद्र महिष्ण कर्म हिष्ण कर्म हिष्म हिष्ण कर्म हिष्म हिष्ण कर हिष्ण कर्म श्चर-य-दे में है अ अपिश अर्केमा मालक 'द्र- प्रंत्र पूर में द्रे ग्री मुले 'स्रिंश स्रें हर्रे नॅग्रेंद देवा गुर्भेर न्द्रिया अद्देश निहट्या है मुग्नर त्र्या गुर्न देने लुख ये के अधीत ये रे पर्दे रहें। न्यान्यस्ति । यस्त्रान्यस्ति । स्वर्णान्यस्ति । यद्वर्णान्यस्ति । यस्त्रान्यस्ति । अत्यान्यस्ति । यद्वर्णान्यस्ति । विष्यान्यस्ति । अत्यान्यस्ति । यद्वर्णाः विष्यस्ति । विष्यान्यस्ति । विष्यस्ति । विष्यस्ति । विष्यस्ति । विष्यस्ति । विष्यस्ति । विष्यस्ति वी से ने मासुस्र न हों हो हो हो है । विश्व मासुस्र न हों हो से स्वाह है । विश्व मासुस्र ने स्वाह हो । विश्व मासुस्र ने स्वाह है । विश्व मासुस्र ने स्वाह स्वाह स्वाह । विश्व मासुस्र ने स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह मृद्धिः स्यान् र्वेट ये हेन शुरान्ट पहेन यान्य मृद्धि स्यान्य हैन स्वान की स्यान हैने प्रान्त स्वान स्

म्बर्धाः विश्वासायाः स्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र स्टानायमा स्टाप्नेन स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम ब्रॅमिबर्देटर्निबर्पबरम्बरम्बर्भेयर्द्रम्बर्भेय्यर्भेष्ट्रम्बर्भेयर्थेय्यः स्थित्यः स्थानिम्बर्धः तयर स त्रंडिंग्यॅंहमाः व्यव्यं के ख्रें प्रेवे।

र प्रमानित्त्रस्ति द्वार्यस्ति प्रमानित्त् । व्याप्ति स्वार्यस्ति स्वार्यस्यस

ल्री विराष्ट्रेशन्यायम्यायम् ल्रीयाच्या

य सम्बद्धाः स्वर्थः प्रदेशः प्रविद्धाः प्रविद्धाः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्व यस्त्र प्रमान्य में में प्रमान्य प्रमा अतः प्रमा<u>र्</u>क्षर् ग्री महेर् ग्री है अश

धेवा

५ मु र्लेट र्सेम्बर ग्रु खुवा चीमा माबवा सदी द्रो देश दे रेट मी दे ना

१ र्चित्रपुं मुर्ने म् में मुर्भे त्युत्रप्तर्यत्ये र्चिम् अर्ज्यान्य त्विमाधिना व इस्म मुख्याद्वर स्ट्रिंस् मुर्गिम् एत्माधिना

२०५ मूर्बे रेग क्रें र मुर्रे पार्टेश प्रता

य गर्ने द मुर्दे सेया नते हमारा है भूर प्रेता

ल्या मुद्द्यान्यात् स्वार्यस्य प्रमान्य स्वार्यस्य प्रमान्य स्वार्यस्य स्वार

वियार्थे।

यम् नहेन्यत्रेम् स्थापार्त्ते प्रमेष्ट्र स्थापार्त्ते प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमेष्ट्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे स्थापार्थे स्थापार्थे प्रमाणित्र स्थापार्थे श्री

[ॖ]ॱ॔ॾॣऺढ़ॱॺ॒ॸॱॸक़ॗ॔ॸॱढ़ॖॱय़ॺॱॺॎॺऻॱॺऻऀऄॖॺॱय़ऻ

रे रेट में रेप इस्रामीट, त्रिष्ठ, कुष्ट, ट्राप्ट्र, शक्ता, स्वामाया, मुद्रा, त्रामाया, स्वामाया, स्वामाय, स्वामाया, स्वामाया, स्वामाया, स्वामाया, स्वामाया, स्वामाय, स्वाम

२ हें अ'ग्रुअ'र्से र्से 'चर'यदे 'हग्र 'ठे 'हुर' धेता ३ क्'रा लुस'यदे कु'सर्कर ठे।

🗢 रैव केंत्र ग्राट ब्रैंस स्नायंश ग्री मायत से रहता के स्नार प्रेता

यं मंबें यं देना यं यहां याय रे देनेंब यं मंदि खेंदी

यवा अन्यत्वा अन्यत्वा अन्यत्वा अन्यत्वा अन्यत्वा विकायम् विदेश्या विवायम् विव

रेर्द्रप्यार्देर्या *৽*॑र्नेत्रॱतुंग्नेशॱसुंॱम्<u>च</u>माशॱसूत्रे मार्शे सेमा 'दत्तुश 'स्वि' है 'माट 'दमा 'धूता ॱ॔ॖॕॕॖॖॻ॓॔॓य़ऄॖढ़ॕॱॻॕढ़ॆॱॸऻॕढ़ॏॱॸऻॿॖ॑ॸॱॕॕॺज़ॴॻ॑ॱॸऻक़ॗऺ॔ॸॱय़॑ॱॺऻऄॖॺऺॱॺॕॱॺॕढ़ॏढ़ॏॸऻॾॕॸॱॻॖॱॴक़ॱय़ॴॱ नमुन र्यो मार ने में किता ३ मु पर्देर् कर्म्य प्रस्ति व्ययः तुः सुट र है : सूट र महेर प्रस्ति । ८ इ. पर्दे प्रति र संग्री : यह र क्या है मा स्वर रे माट र मा ध्येता । २०८ महिर्म सेट में हैं र पर्देश प्रसा ागः साटः मी देशायूत्

वें १०१८ वें में समानेग्रा

व गर्डेट केर्तू वर् चेर कर या रेचे के र र्थेरा यम कुट अष्टिय नर्गाम क्या या ग्रुय थेर रेगा

त्रम् स्वा महेना महेना

१ र्न् पुर्मार्थः मार्थः क्षुषः र्घमा पङ्कुरः र्डे अः अर्द्नः पदः गुटः तुमार्थः मार्थः मेमाः भ्रवः मालुटः र्विमास दें मेट धिता यम् भून र्युर्केन संलेश यारे खेता

यत् । प्रतिकाश्वर क्षित्र क्षेत्र स्था क्षे चून्या विकासी विकास के त्राप्त के प्रत्य के प

स्वार्यक्षेत्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् स्वार्यक्षेत्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् स्वार्यक्षेत्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् स्वार्यक्षेत्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम् त्रित्रप्रम्

चुन्यनाम्। इ.लट् क्षेत्र. श्रुच्यातस्य त्यर चेट्रा। वश्येत्रीत्रीह्र क्षेत्र. श्रुच्यातस्य त्यर चित्र चुन्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान जुन्य ने प्राप्त क्षेत्र स्थान स्थ

दे दे दे में दे ना १ महेर नित्रा में दे प्रत्यामा के नित्र हैं नि का शुः शुं र्थित्। १ महेर नित्र में महित्र माना के के महित्र के शुं के प्रत्या नित्र माने के महित्र के महित्र

२०३ गुर्बे रेग र्सेर ग्रैं र ग्रैं र र र र र र र र र र यश्रद्भी देश येत्र

१ चर्षस्य प्रस्ति मासु द्रिया या चार है। कुषा सहेश साम स्तु र्से मास द्रा से मास द्रा से मास किया किया मासु द

येत्रा नर्गार्ट्यालेक् मेहिसः ॥ रेट्रियर मेट्रियाया। र्यट संख्रिय यदे श्लिक्य पर्ट्य स्थिता स्थ्रिय स्थ्रिक्य स्थित्। स्थ्रिया स्थ्

य न्या केयाच्या केयाच्या व्याप्ता त्या व्याप्ता त्या क्या क्या क्षेत्र क्षेत् 5779511 321311

् सुंमुन् भ्रम्कार्क्ता मे त्रित्र मात्र सुत्त त्रिंश्य प्रति भ्रम्का स्त्र स

🗢 विमा मासुस भेदे देश यस ५८ दे न विमा निकेशी १ द्राल्याम् नायात् न्या क्ष्राची क्षराया म्यानी क्ष्राची 5ঝা यन्। यन्यात्रात्रात्र त्रात्रात्र विक्रां त्रात्र प्रमाण्यात्र विक्रां त्र प्रमाण्यात्र विक्रां त्रात्र प्रमाण्यात्र विक्रां विक्रां त्रात्र प्रमाण्यात्र विक्रां विक् स्थानायाः प्रतिन्ति । विद्रापास्य नियाना । विद्राप इस्राम्ह्रम् स्वाप्तान्त्रम् नित्रम् स्वाप्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्रम्यस्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्रम् स्वाप्तान्त्र दे.जब.कैट्रूनर्म्यूश्रेट्बर्म्स् त्रवा मव्यास्त्रास्य स्वाधारा हेत्यास्य स्वयःस्य स्वयःस्य स्वरःस्य स्वयःस्य स्वयःस्य स्वयःस्य स्वयःस्य स्वयःस्य दुर्भ सुर्द सुरु केंग्नेय या केंग्र्सु द सुर्य केंग्नय ये य ठ्या थी। द्र भ्रम्य मुट्टें स्ट ने नाट नग्धेता यत्। ८८.त्र.श्रेश.मश्री । पॅंढ, तर्द्र, भेचर्या । मश्रिशंता. प्रूट, सेचर्या । क्रिशंता. प्रूट, सेचर्या । मश्रिशंता. प्रूट, सेचर्या । क्रिशंता. प्रूट, सेचर्या । व्यव्यात्रा । व्यव्यात्य पद्भानस्य । निष्ठ स्वया । निर्देश स्वया । निर प्रमानिक्ता से स्वास्त्र स्वास्त्र

देन्द्रमान्द्रमा १ चेन्द्रमान

गर्यात्मे देशायम् १ मेर्मे मेर्मे स्थायम् प्राप्ते मुर्म्स्य स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् यम् क्रम्यास्ट पर्या महिरापास्य प्राप्त । विद्या स्वा क्रम्य स्व । विद्या स्व । विद्य स्व । विद्या स्व । विद्या स्व । विद्या स्व । विद्या स्व । विद्य । विद्य स्व । व यादी। विद्रात्वर्गम्य वस्ता वस्ता विद्राति । विद्राति विद्राति । <u>૱ૣૼ</u>ૹૻઌૣ૽ૹૣૻૢૢૡૹૡઌૢૢૢૢૢ૽ૼૡૢઌ૱૱૾ૢ૽ૡૢઌૹૢ૽ૺૹૹૡ૱૱ૢૹૼૡૹૡ૱૱૾ૢૺૼૢઌઌૹ૱ૢઌ च मुं मुर्श्वन करमा येतुरम् पर्मा वर्षेत्र प्रमाण्या वर्या वर्षेत्र प्रमाण्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्षेत्र प्रमाण्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या व

द्रामग्मान्नेश्वरायते देशायन द्रामश्चराया मार्थे श्रामान्य मार्थे स्वास्त्र सन् अन् पर्मान्ति अन्। उत्तर्भव भूनाया अन्य भून प्राप्त स्तर्भव स्तर्य स्तर्य

यहा पर्मा निर्माणका पर्मा अर्था पर्मा अर्था पर्मा अर्था पर्मा के स्वार्थ के स मक्र्मार्ट्यार्ट्स्ट्राच्यार्

यदाः महिन्द्वा स्थानित्व क्षेत्र स्थानित्व स्थानित्य स्थानित्व स्थानित्य स्

५ क्षेट में खुँवं चैमं मुख्यं र्वते द्वे देश

रे'र्रेट'मी'र्रे'गा १ वर्षायां स्रोत्तां अत्रापा अत्रापा स्राप्ता क्षेत्राचा स्तरापा स ये सुंतरसुभःर्केमसूर्यः स्यापः द्रमाधिता इ स्रम्युः मर्के स्यापः द्रम् धिता

🗢 मार्बे चनब लमा लेक नहें नमुंद के माद दमा लेका

२०१ मूर्बे देना र्भेर मु दे न देश प्रता मिर्मा मुंदिस प्रमी

मन्द्रिस्ट्र म्पुःर्वेमुःयं मार्ये र हैं दे मी इं अं चरे रें में अं ने भेगां अं से दें रायर श्रृ कुत्य द्वार स्था प्रसे प्रसे प्रसे प्रसे रायर है के दें प्रसे प र्व हेब्रामाययेषा वर्षाणी क्रुप्ते हे प्येत्र

लय् मिरल्या च्यार्श्वेद्रः भ्रातर्द्र्द्रः श्रुंट द्रार्था तस्त्र तस्त्री स्वर्गा स्वर्गः नियन्ते व्याप्ते व्य

चर्रास्त्री विश्वासी इ त्र्राक्तर प्रका चर्या स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्

र्षेत् यन् मार सेया नम् नसूतू र्येना <u>५ संत्रायमामी द्वारा दुर्भ मुण्यादां या सुमारा मार्थाय परी द्वारा देश है या स</u>्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स り 首子でかいます。本地田 本地田 本地田 本地田 本地田 神原工作を

2014-10-18 才热巴 才热巴藏医工作室

मिंसट्मी देश यहाँ

य श्रेयात्त्रयाच्याच्यां मुंगुं दृश्यत्र ।

य श्रेयात्त्रयाच्यां मुंगुं दृश्यत्र ।

य श्रेयात्त्रयाच्यां मुंगुं दृश्यत्र ।

य श्रेयात्त्रयाच्यां मुंगुं दृश्यत् ।

य श्रेयाय्यां मुंगुं याय्यां मुंगुं याय्यां व्यायां व्यायां व्यायां व्यायाः व्यायां व्यायाः व्यायां याय्यां व्यायाः व्यायायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्या त्र हेब्रामायसेवाच्याच्यामु कुष्मेत्र

यम् कुर्यस्य वस्या वस्या

त्री कुर क्षेत्र कट में जेत्र कुट न्द्र न्या के स्था कुर क्षेत्र के स्था कुर न्या क

र्षेत्

यद्यं ग्राट सेया द्या प्रसूद्य पेटा

५ संदायमामी दुंब दुर्वा ची माद्रांब सुमायामाया मादे द्रो देया

१र्विद् ११र्विद ग्री मुर्शे म् देन म्यापि र्यो मुर्शे स्वापि देने माद्र प्रेम् माद्र स्वापि मुर्शे माद्र स्वापि मुर्शे स्वापि स्वाप स्वापि स्वाप स्वापि स्वाप त्वुर्त्तात्र्वेष्ठाः मार्ने त्याद्यक्ष्यः विषाः याष्ट्रिक्षः स्वार्थः विष्ठ्रः प्रार्थः स्वार्थः स्वर्धः स्वर त्र त्वेषुः त्येत्रः स्वर्धः स इंग्रेंश के भूर दर मुंश शुंशहर पार्श भूत्र शें शेंदे दर मुंर ग्री ग्री ग्री श्री श्री दिया है त्र क्षेट्रमी लीय. ह्रामा मान्नया. परंतु. ट्रामा मान्नया. परंतु. परंतु. ह्रामा मान्नया. ह्रामा मान्नया. ह्रामा मान्नया. ह्रामा मान्यया. ह्रामा मान्नया. ह्रामा मान्यया. ह्रामा ह्रामा मान्यया. ह्रामा ह

स्वारास्त्र स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास्त स्वारास स्वारास

५ क्षेट्रमी'ख्याचिमाम्मययान्दर-द्रये देशा